हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-12 अंक-07 हरिद्वार, शनिवार, 15 फरवरी, 2025 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

38वें राष्ट्रीय खेलों का हुआ भव्य समापन

देहरादून,संवाददाता। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में अन्तरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स स्टेडियम गोलापार, हल्द्वानी में 38वें राष्ट्रीय खेल का समापन समारोह आयोजित किया गया। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष श्रीमती पीटी. ऊषा ने 38वें राष्ट्रीय खेल के समापन की घोषणा की। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री ने प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले सर्विसेज, महाराष्ट्र और हरियाणा को सम्मानित किया।

उत्तराखंड के हर जिले में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने उत्तराखण्ड के चारों धामों के देवी देवताओं को प्रणाम करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री धामी ने उत्तराखंड के हर जिले में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो गया है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री ने देवभूमि को राष्ट्रीय खेलों के नक्शे पर 25वें स्थान से 7वें स्थान पर लाने का कार्य किया है। राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड के विजेता खिलाड़ियों ने देवभूमि को खेल भूमि बनाया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने सभी उत्तराखंड के विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उत्तराखंड की मेजबानी का देशभर में गुणगान।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने उत्तराखंड की आयोजन समिति एवं खेल संगठनों की पीठ थपथपाते हुए कहा कि राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए पूरे देश में उत्तराखंड की तारीफ हो रही है। पूरा देश उत्तराखंड द्वारा की गई शानदार व्यवस्थाओं के गुणगान कर रहा है। भौगोलिक कठिनाइयों के बावजूद उत्तराखंड राज्य ने मुख्यमंत्री श्री धामी के नेतृत्व में इस कार्य को कुशलतापूर्वक सम्पन्न किया है। उन्होंने 38वें राष्ट्रीय खेल के सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हार और जीत का खेल से मतलब नहीं है। जीत का जज्बा और हार से निराश न होना, ये खेल का संदेश है। हारने वाले खिलाड़ियों के लिए अगली बार मेडल लाने का मौका है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री धामी के नेतृत्व में 38वें राष्ट्रीय खेलों में इको- फ्रेंडली प्रैक्टिसेज एवं इको फ्रेंडली गेम को धरातल में उतारा गया है। खिलाड़ियों के नाम पर पौधारोपण किया गया। राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों द्वारा कई नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए गए हैं, इन रिकॉर्डों से अंतरराष्ट्रीय खेलों में भी भारत के लिए पदक की उम्मीद जगी है। उन्होंने कहा राष्ट्रीय खेलो की यह मशाल उत्तराखंड से अब मेघालय जाएगी। मेघालय के मुख्यमंत्री श्री कॉनराड संगमा ने यह निर्णय लिया है कि नॉर्थ ईस्ट के सभी राज्यों में कुछ खेलों के आयोजन से पूरे नॉर्थ ईस्ट को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने मेघालय के मुख्यमंत्री श्री संगमा को आगामी राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।

हार से लें जीत की प्रेरणा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के वातावरण में सकारात्मक बदलाव आया है। देश भर के कई जिलों में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर, कोचिंग की व्यवस्था, खिलाड़ियो को प्रोत्साहन और पारदर्शी चयन के माध्यम से आज विश्व के खेल पटल पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा भारत के खेलों का भविष्य उज्ज्वल है। खेलों में हर बार नए कीर्तिमान स्थापित हो इसकी व्यवस्था केंद्रीय खेल मंत्री ने की है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री मोदी ने फिट इंडिया और खेलो इंडिया के माध्यम से युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाया है। खेल हमें हारने के बाद जितने के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

प्रधानमंत्री को खेल मित्र मानता है हर खिलाड़ी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सफलता सिर्फ शारीरिक क्षमता से नहीं बल्कि दृढ़ निश्चय और मजबूत मन से प्राप्त होती है। अथक परिश्रम और निरंतर प्रयास खिलाड़ियों को आगे ले जाएगी। इन सभी के माध्यम से खिलाड़ी मेडल तक की यात्रा तय कर सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश के युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए। आज हर खिलाड़ी प्रधानमंत्री श्री मोदी को खेल मित्र के रूप में मानता है। उन्होंने कहा 2014 में खेल बजट 800 करोड़ था, जो 2025 - 26 में खेल बजट 3800 करोड़ तक पहुंचाया है। अंतरराष्ट्रीय मंचों में भी हमारे खिलाड़ियों ने तिरंगे का मान बढ़ाया है। खिलाड़ियों के मेडल से पता लगता है कि देश में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर और जीतने की भूख में बढ़ोतरी हुई है।

2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार है भारत।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि खेलो इंडिया के माध्यम से उत्तराखंड जैसे छोटे पहाड़ी राज्य ने इतने बड़े खेल आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न किया है। यह बताता है कि भारत का हर राज्य खेलने और खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। इस राज्य से, अब फिर राष्ट्रीय खेल का आयोजन एक पहाड़ी राज्यों में जा रहा है।

यूसीसी-दस्तावेजों की जांच का अधिकार सिर्फ रजिस्ट्रार के पास

देहरादून,संवाददाता। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद से, संहिता के तहत हर तरह के पंजीकरण हो रहे। इस बीच समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट और इसके लिए नियम बनाने वाली कमेटी की सदस्य प्रो. सुरेखा डंगवाल ने स्पष्ट किया है कि यूसीसी के तहत लिव इन पंजीकरण के लिए दिए गए दस्तावेजों की जांच सिर्फ रजिस्ट्रार के स्तर पर की जाएगी, इसमें किसी और एजेंसी की भूमिका नहीं है।

प्रो सुरेखा डंगवाल ने बयान जारी करते हुए बताया कि यूसीसी नियमों के अनुसार लिव इन आवेदन प्राप्त होने पर रजिस्ट्रार द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक के माध्यम से स्थानीय पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी को लिव इन संबंध का कथन मात्र इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध कराया जाएगा, तथा स्थानीय पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी सहित किसी भी व्यक्ति की इस अभिलेख तक पहुंच सिर्फ जिला पुलिस अधीक्षक की निगरानी में हो सकेगी। नियमों में स्पष्ट किया गया है कि पुलिस के साथ सूचना साझा करते समय निबंधक को स्पष्ट रूप से उल्लेख करना होगा कि लिव इन संबंध के कथन से संबंधित सूचना मात्र अभिलेखीय प्रयोजन के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। इससे साफ है कि इस तरह के आवेदन में उच्च स्तर की गोपनीयता बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि चूंकि लिव इन से पैदा बच्चे को भी जैविक संतान की तरह पूरे अधिकार दिए गए हैं, इस तरह लिव इन पंजीकरण से विवाह नामक संस्था मजबूत ही होगी, जो हमारे समाज की समृद्धि का आधार रही है। यूसीसी पंजीकरण का निवास प्रमाणपत्र से संबंध नहीं: प्रो. सुरेखा डंगवाल-पंजीकरण का उद्देश्य उत्तराखंड की डेमोग्राफी को संरक्षित करना मात्र उत्तराखंड समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट बनाने वाली विशेषज्ञ समिति की सदस्य और दून विश्वविद्यालय की वीसी प्रो. सुरेखा डंगवाल ने स्पष्ट किया है कि यूसीसी के तहत होने वाले वाले पंजीकरण का उत्तराखंड के मूल निवास या स्थायी निवास प्रमाणपत्र से कोई सरोकार नहीं है। उत्तराखंड में न्यूनतम एक साल से रहने वाले सभी लोगों को इसके दायरे में इसलिए लाया गया है ताकि इससे उत्तराखंड की डेमोग्राफी संरक्षित हो सके।

यूसीसी प्रावधानों पर बयान जारी करते हुए प्रो. सुरेखा डंगवाल ने कहा कि यूसीसी का सरोकार शादी, तलाक, लिव इन, वसीयत जैसी सेवाओं से है। इसे स्थायी निवास या मूल निवास से जोड़ना किसी भी रूप में संभव नहीं है। इसके अलावा यूसीसी पंजीकरण से कोई अतिरिक्त लाभ नहीं मिलने हैं। उत्तराखंड में स्थायी निवास पूर्व की शर्तों के अनुसार ही तय होगा, समान नागरिक संहिता कमेटी के सामने यह विषय था भी नहीं। उन्होंने कहा कि यूसीसी के तहत होने वाले पंजीकरण ऐसा ही है, जैसे कोई व्यक्ति कहीं भी सामान्य निवास होने पर अपना वोटर कार्ड बना सकता है। इसके जरिए निजी कानूनों को रेग्युलेट भर किया गया है। ताकि उत्तराखंड का समाज और यहां की संस्कृति संरक्षित रह सके, इससे उत्तराखंड की डेमोग्राफी का संरक्षण सुनिश्चित हो सकेगा। साथ ही अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर भी इससे अंकुश लग सकेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में बड़ी संख्या में दूसरे राज्यों के लोग भी रहते हैं, ये लोग उत्तराखंड में सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। ऐसे लोग अब पंजीकरण कराने पर ही सरकारी योजनाओं का लाभ उठा पाएंगे। यदि यह सिर्फ स्थायी निवासियों पर ही लागू होता तो, अन्य राज्यों से आने वाले बहुत सारे लोग इसके दायरे से छूट जाते, जबकि वो यहां की सभी सरकारी योजनाओं का लाभ उठाते रहते। दूसरी तरफ ऐसे लोगों के उत्तराखंड से मौजूद विवाह, तलाक, लिव इन जैसे रिश्तों का विवरण, उत्तराखंड के पास नहीं होता। इसका मकसद उत्तराखंड में रहने वाले सभी लोगों को यूसीसी के तहत पंजीकरण की सुविधा देने के साथ ही सरकार के डेटा बेस को ज्यादा समृद्ध बनाना है।

मंत्री गणेश जोशी ने किया गोर्खाली सुधार सभा में निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण

देहरादून,संवाददाता । कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून के गढ़ी कैंट स्थित गोर्खाली सुधार सभा के जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया। यह कार्य मुख्यमंत्री घोषणा के तहत स्वीकृत होकर रुपये 99 लाख की लागत से किया जा रहा है, जिसमें गोर्खाली सुधार सभा के कार्यालयों, भवन, पुस्तकालय, पार्किंग और एक बहुउद्देशीय हाल का निर्माण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान काबीना मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि इसे तय समय में पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कर कमलों द्वारा इस भवन का लोकार्पण किया जाएगा। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि गोर्खाली सुधार सभा समाज के उत्थान और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही है। इस भवन के नवनिर्माण से गोर्खाली समाज को बेहतर सुविधाएँ मिलेंगी और उनकी सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि एक नए हाल का निर्माण किया जाएगा। जिससे संस्था के सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि गढ़ी कैंट स्थित गोर्खाली सुधार सभा वर्षों से गोर्खाली समाज की संस्कृति, परंपरा और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र रही है। यहां पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामुदायिक बैठकें और सामाजिक कार्य आयोजित किए जाते हैं।

सम्पादकीय

भारत भी बरतें सतर्कता

सप्ताह भर की अनिश्चितता के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक ऐसा वैश्विक व्यापार युद्ध छेड़ दिया है जो महंगाई बढ़ाने के साथ ही विकास आपूर्ति श्रृंखला या लॉजिस्टिक्स को प्रभावित कर सकता है।यह ट्रम्प की सनक है या साहसिक कदम। यह तो वक्त ही बताएगा।उन्होंने एग्जीक्यूटिव आर्डर पर हस्ताक्षर कर अमेरिका के 3 बड़े व्यापार सहयोगी देशों पर भारी टैरिफ लगा दिया। कनाडा और मेक्सिको से आयात की जानेवाली वस्तुओं पर 25 प्रतिशत तथा चीन से आनेवाले सामान पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ (आयात शुल्क) लगाया गया।अमेरिका इन देशों को जताना चाहता है कि वे अवैध प्रवासियों को रोकने का अपना वादा नहीं निभा पाए और अमेरिका में विषैला फेंटानाइल और अन्य ड्रग्स भेजते रहे।इन तीनों देशों से अमेरिका 40 प्रतिशत सामग्री आयात करता है।अमेरिका ने जिस प्रकार भारी भरकम टैक्स थोप दिए हैं उसके जवाब में मेक्सिको और कनाडा ने तुरंत जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी।चीन ने करारा जवाब देते हुए कहा कि वह विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में ट्रम्प के कदम को चुनौती देगा तथा अन्य प्रतीकात्मक कदम उठाएगा। कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने जवाबी कदम के तौर पर अमेरिका निर्मित वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया।उन्होंने कनाडावासियों से स्वदेशी उत्पादन खरीदने और देश के भीतर ही छुट्टियां मनाने की अपील की।मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाडिया शीनबाम ने अपने अर्थनीति मंत्री को देशहित में अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाने को कहा।ट्रम्प ने अपने निर्णय को उचित बताते हुए कहा कि इससे अमेरिका में निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा। नौकरियां बचेंगी तथा व्यापार घाटे से निपटा जा सकेगा।दूसरी ओर अमेरिका के अर्थशास्त्र विशेषज्ञ मानते हैं कि ट्रम्प के इस कदम की वजह से 2025 में हर अमेरिकी परिवार पर 830 डॉलर से ज्यादा टैक्स का भार बढ़ जाएगा। इसका अमेरिकी मौद्रिक नीति पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा क्योंकि चीन व मेक्सिको से आनेवाली वस्तुएं कम कीमत की होती हैं और अमेरिका में निर्मित माल की लागत ज्यादा आती है।महंगाई बढ़ जाने पर फेडरल ब्याज की दरें घटाई नहीं जा सकेंगी।ट्रम्प के टैरिफ वार में भारत का नाम नहीं है।प्रधानमंत्री मोदी इसी माह अमेरिका जाने वाले हैं।दोनों देशों के आर्थिक संबंध मजबूत रखने के लिए भारत को सावधानीपूर्वक कदम उठाने होंगे और उन अवसरों का लाभ उठाना होगा जो इस अनिश्चितता के माहौल से उत्पन्न हुए हैं।इतना तय है कि ट्रम्प ने जिस तरह कनाडा। मेक्सिको और चीन पर टैरिफ बढ़ाए हैं उसकी विश्वव्यापी प्रतिक्रिया होगी। इस कदम से ट्रम्प ने तीनों देशों को करारा झटका दिया है लेकिन कंज्यूमर इकोनामी वाले अपने देश के लिए भी समस्या उत्पन्न की है जहां के लोग विश्वभर से आई चीजों का उपभोग करने के अभ्यस्त हो गए हैं।

बजट में वृद्धि : रक्षा क्षमता में निरंतर सुधार का उद्देश्य

केंद्रीय बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 6.81 खरब रुपए की राशि आवंटित की गई है जो पिछले **2024**-25 के बजट की 6.21 खरब की राशि से 9.5 फीसदी अधिक है। इसमें से 4.88 खरब रुपए वेतन। पेंशन। रखरखाव। दुरुस्ती तथा आधारभूत ढांचे के लिए खर्च किए जाएंगे। यह राशि कुल रक्षा बजट की 71.75 प्रतिशत है। पिछले बजट में पूंजीगत व्यय 1.7 लाख करोड़ था जो इस वर्ष 1.8 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया है। **2024** के अंतरिम बजट में शस्त्रास्त्र खरीदी के लिए दिए गए 12**।500** करोड़ रुपए रक्षा मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय को लौटा दिए हैं। इससे यह बात सामने आती है कि सेनाओं के लिए शस्त्रास्त्र खरीदी में तेजी लाई जानी चाहिए और रक्षा मंत्रालय को इसमें विलंब नहीं करना चाहिए। सरकार की ओर से शस्त्रास्त्र प्रणाली हासिल करने की दिशा में गति बढ़ाना आवश्यक है। सेना की वर्तमान जरूरतों को देखते हुए ऊंचे दर्जे के आधुनिक शस्त्रास्त्र खरीदने में तत्परता दिखानी होगी। इस संबंध में जो भी अनुबंध हैं उन्हें समय रहते पूरा किया जाना चाहिए। कहीं ऐसा तो नहीं है कि लालफीताशाही की वजह से समय पर खरीदी नहीं हो पाती? मंत्रालयों में परस्पर समन्वय बढ़ाया जाए तो रक्षा सामग्री की खरीद में अनावश्यक विलंब नहीं होगा। कुछ सामग्री को हासिल करने में विलंब के लिए उसके निर्माता भी जिम्मेदार रहते हैं। उनपर दबाव होना चाहिए कि समय पर सामग्री का प्रेषण या हस्तांतरण करें। सरकार भी यह सुनिश्चित करे कि रक्षा मंत्रालय के समय पर धन उपलब्ध कराया जाए और सेना के तीनों अंगों की रक्षा सामग्री जरूरतें यथाशीघ्र पूरी की जाएं। भारत के स्वदेशी रक्षा संयंत्र काफी सक्षम हैं और निजी क्षेत्र में अच्छी गुणवत्ता की रक्षा सामग्री का निर्माण होने लगा है। उनकी क्षमता बढ़ाकर लगभग तीन चौथाई खरीदी उनसे की जाए।

जलवायु-प्रतिरोधक कृषि के लिए प्रतिबद्धता से बनेंगे आत्मनिर्भर

जलवायु परिवर्तन हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित कर रहा है, और कृषि पर इसका प्रभाव भारत के लिए एक चेतावनी है। इसके चलते, बजट **2025**-26 में जलवायु अनुकूलन और उसके निवारण की दिशा में कुछ निर्णायक कदम उठाने की आवश्यकता है। विशेष रूप से, जलवायु-प्रतिरोधक कृषि पद्धतियों पर ध्यान केंद्रित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह भारत की कृषि अर्थव्यवस्था और ग्रामीण आजीविका की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

46% जनसंख्या को आजीविका प्रदान करने वाला कृषि क्षेत्र, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में केवल 18.2% का योगदान देता है, कम उत्पादकता, बिखरे हुए भूमि-स्वामित्व, जल की कमी, उच्च लागत और कटाई के पूर्व के नुकसान जैसी अनगिनत चुनौतियों का सामना कर रहा है। जलवायु परिवर्तन इन समस्याओं को और गंभीर बना देता है, जिससे जल उपलब्धता, बढ़ते तापमान, कीट भार, और मृदा क्षरण प्रभावित होते हैं। हमारे देश में कृषि क्षेत्र वर्षा पर अत्यधिक निर्भर है; लगभग 60% बोया हुआ क्षेत्र आज भी वर्षा-आधारित परिस्थितियों पर निर्भर है। पिछले पांच वर्षों में, मध्य और दक्षिणी भारत में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है, जबकि अन्य क्षेत्रों में वर्षा की कमी रही। यह परिवर्तनशीलता फसल चयन, उसके पैटर्न और जल एवं मृदा प्रबंधन को प्रभावित करती है।

भारत की कृषि भूमि — जो कि खाद्य प्रणाली की रीढ़ है — इन चुनौतियों से और अधिक प्रभावित हो रही है। इसे दोहरी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है— मात्रात्मक कमी और गुणात्मक क्षरण। छोटे किसानों को इसका सबसे अधिक भार महसूस होता है (68.45% किसान एक हेक्टेयर से कम भूमि वाले है), और बढ़ता शहरीकरण कृषि योग्य भूमि को तीव्रता से कम कर रहा है। **2021** में, कृषि योग्य भूमि की उपलब्धता प्रति व्यक्ति के लिए मात्र **0.12** हेक्टेयर थी (विश्व बैंक)। ये चुनौतियां किसानों की उत्पादन को यंत्रीकृत करने या प्रौद्योगिकी प्रगति अपनाने की क्षमता को बाधित करती हैं, क्योंकि इनपुट की उच्च सीमांत लागत के मुकाबले सीमांत लाभ कम होता है। जलवायु परिवर्तन इस समस्या को और जटिल बना देता है, जिससे फसल उत्पादन में उतार-चढ़ाव और घटते लाभ होते हैं। इसलिए, कृषि में जलवायु प्रतिरोधकता बनाना और भूमि उत्पादकता को बढ़ावा देना अनिवार्य है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने 100 सूखा- और ताप- प्रतिरोधी फसल बीज का आविष्कार किया है। हालांकि, इनका बड़े पैमाने पर अपनाना अभी कठिन है। उदाहरण के लिए, जबकि 75% गेहूं की खेती जलवायु-प्रतिरोधक बीजों का उपयोग करती है, चावल के मामले में ये आंकड़ा **20**%से कम है। आगामी बजट को इन बीजों को सुलभ और किफायती बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा इसके प्रदर्शन के साथ-साथ पारंपरिक बीजों से संक्रमण में सहायता प्रदान की जानी चाहिए।

इसके अतिरिक्त, फसल विविधीकरण रणनीति को जलवायु-प्रतिरोधक बीजों के साथ पूरक बनाना होगा ताकि एकल कृषि से जुड़े जोखिमों को कम किया जा सके और जलवायु संवेदनशीलता का समाधान किया जा सके। खाद्यान्न भारत के कृषि उत्पादन का 60% हिस्सा हैं, लेकिन गेहूं और चावल जैसे मुख्य अनाजों से दालों, तिलहन और बाजरे की ओर परिवर्तन करने से पोषण संबंधी सुरक्षा में सुधार होगा और पानी एवं उर्वरकों पर निर्भरता कम होगी। हालांकि, इस बदलाव के लिए नीतिगत प्रयास सीमित रहे हैं। उदाहरण के लिए, दाल उत्पादन के क्षेत्र में संकेन्द्रित उत्पादन, सीमित एमएसपी और कम कीमतों को लेकर काफी चुनौतियों मौजूद है। नतीजतन, भारत अपनी वार्षिक दाल खपत का 15त्न आयात करता है। **2027** तक दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए, बजट **2025-26** में एमएसपी खरीद सुनिश्चित करने, मूल्य कमी भुगतानों और चावल उत्पादन के बंजर क्षेत्रों में खेती का विस्तार करने जैसे उपायों को शामिल करना चाहिए।

इसी तरह, हरित क्रांति के बाद से बाजरे की खेती में गिरावट आई है। बाजरा सूखा प्रतिरोधी है; इसमें कम पानी की आवश्यकता होती है, और यह खराब मिट्टी में भी पनप सकता है, जो इसे उच्च जलवायु प्रतिरोधकता प्रदान करता है। इसकी क्षमता को पहचानते हुए, सरकार ने **2023** को बाजरा का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया, लेकिन किसानों को उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करना अभी भी महत्वपूर्ण है। बाजरा उत्पादन को चावल और गेहूं की तुलना में अधिक लाभकारी बनाना चाहिए। इसलिए, बाजरे की खपत को बढ़ावा देने के लिए, आगामी बजट को बाजरे की खरीद पर सुनिश्चित एमएसपी , सार्वजनिक वितरण प्रणाली में उसको एकीकृत करने, और पोशण अभियान और मध्याह्न भोजन योजना जैसी योजनाओं के तहत शामिल करने के लिए प्रावधान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, भारत में उभरती डिजिटल क्रांति कृषि को बदलने की अपार क्षमता रखती है। सरकार ने पहले ही फसल क्षति मूल्यांकन और दावा निपटान में तेजी लाने के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी कोष और महिलाओं के स्वयं सहायता समूह को उर्वरक और कीटनाशक के प्रयोग के लिए ड्रोन किराए पर लेने के लिए नमो ड्रोन दीदी योजना जैसे कई पहल शुरू किए हैं। इन प्रयासों को जारी रखते हुए, बजट को सटीक खेती, स्थानीय भाषाओं में एआई आधारित कृषि सलाहकार सेवाओं, और किसान पहचान पत्र योजना के सटीक सेवा वितरण के लिए किसानों के एकीकृत डेटाबेस के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आपूर्ति पक्ष पर, कटाई के बाद के नुकसान भारतीय कृषि क्षेत्र में एक प्रमुख समस्या बने हुए हैं। चावल, गेहूं और अन्य फसलों के शीर्ष उत्पादकों में से एक होने के बावजूद, कटाई के बाद की अपर्याप्त अवसंरचना के कारण भारी नुकसान और कीमतों में अस्थिरता होती है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के अनुसार, कटाई के बाद के नुकसान, विशेष रूप से टमाटर, प्याज और आलू जैसी खराब होने वाली फसलों के लिए, प्रति वर्ष **1,52,790** करोड़ तक हैं। इस नुकसान को रोकना उत्पादकता बढ़ाने जितना ही महत्वपूर्ण है।

सरकार के अभी के प्रयासों, जैसे कि फसलों के परिवहन और भंडारण को बढ़ावा देना आवश्यक है। बजट **2025**-26 को कृषि अवसंरचना निधि और एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत माइक्रो-कोल्ड स्टोरेज और ग्रेडिंग यूनिट की स्थापना के लिए अधिक धन निर्धारित करना चाहिए, जिससे आपूर्ति नियमित हो सके और कीमतों में स्थिरता आ सके।

नुकसान रोकथाम के अलावा, कटाई के बाद की अवसंरचना में अक्षमताओं को दूर करना भी भारत की निर्यात क्षमताओं को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। वैश्विक कृषि उत्पादन में 11त्न का योगदान देने के बावजूद, वैश्विक कृषि निर्यात में भारत की हिस्सेदारी केवल 2-3% है। मूल्य श्रृंखला दृष्टिकोण अपनाकर, खपत के हॉटस्पॉट और प्रमुख फसलों की मूल्य श्रृंखलाओं पर ध्यान केंद्रित करने से वैश्विक बाजार की प्राथमिकताओं के साथ संरेखित हुआ जा सकता है। इसके लिए इनपुट आपूर्ति और अवसंरचना से लेकर प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और बाजार पहुंचने तक की पूरी मूल्य श्रृंखला में लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए, बजट को चुनिंदा क्लस्टरों को संचालित करने, इस दृष्टिकोण को उच्च-मूल्य वाले कृषि उत्पादों तक विस्तारित करने, और किसान उत्पादक संगठनों को इन क्लस्टरों से जोड़ने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

आज, भारत का कृषि क्षेत्र एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जहां इसे जलवायु परिवर्तन से रूढ़ि-गत भेद्यता के साथ-साथ प्रौद्योगिकी और बाजार के विस्तार से उत्पन्न हुई नई संभावनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

असम राइफल्स का देहरादून में मेगा पूर्व सैनिक रैली का आयोजन

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड के वीर सैनिकों को हार्दिक श्रद्धांजलि देने के लिए असम राइफल्स ने मुख्यालय महानिदेशालय असम राइफल्स के तत्वावधान में जेपी प्लाजा, कारगी चौक, देहरादून में एक विशाल भूतपूर्व सैनिक रैली का आयोजन किया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य था उन लोगों की सेवा करना जिन्होंने हमारी सेवा की, जिसमें खटीमा, देवस्थल, बागेश्वर, गैरसैंण और देहरादून स्थित पांच ARESA केंद्रों से वीरता पुरस्कार विजेताओं, वीर नारियों, विधवाओं और उनके आश्रितों सहित 900 से अधिक भूतपूर्व सैनिकों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्व सैनिकों के अमूल्य योगदान का सम्मान करना, उनके साथ संबंधों को मजबूत करना और उनकी समस्याओं का समाधान करना । इस अवसर पर उत्तराखंड के माननीय राज्यपाल, लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त), पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेड़ा, एवीएसएम, एसएम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

अपने संबोधन में, माननीय राज्यपाल ने उत्तराखंड के पूर्व सैनिकों और सेवारत सैनिकों के अटूट समर्पण की सराहना की, जिन्होने देश की सुरक्षा और समृद्धि की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने असम राइफल्स द्वारा इस महत्वपूर्ण रैली का आयोजन करने की सराहना की और पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, विधवाओं तथा उनके परिवारों को समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

असम राइफल्स के महानिदेशक ने पूर्व सैनिकों के लिए उपलब्ध विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला, जिसमें असम राइफल्स के सेवानिवृत्त लोगों के लिए पूर्व सैनिक सहायक स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं शामिल हैं। उन्होने असम राइफल्स पूर्व सैनिक संघ (एआरईएसए) को पुनर्स्थापित करने के प्रयासों पर चर्चा की और सेवानिवृत्त पेंशनभोगियों को सम्मानित करने के लिए मासिक सम्मान समारोह की शुरुआत की। इस रैली ने पूर्व सैनिकों को महत्ववपूर्ण पहलों के बारे में जानकारी देने का एक मंच प्रदान किया, जैसे कि असम राइफल्स के सेवानिवृत्त लोगों को पूर्व-सीएपीएफ का दर्जा देना, शैक्षणिक संस्थानों और छात्रावासों में आरक्षण, और एआरईएसए द्वारा देशभर में शिकायतों के समाधान के लिए शुरू किए गए आउटरीच कार्यक्रम।

कार्यक्रम में वीर नारियों, वीरता पुरस्कार विजेताओं और अन्य प्रतिष्ठित पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, मौके पर ही समस्याओं को दर्ज करने और समाधान करने के लिए एक शिकायत निवारण कक्ष की स्थापना की गई। पूर्व सैनिकों की सहायता के लिए कार्यक्रम स्थल पर व्हीलचेयर, चश्मा, चलने की छड़ें और श्रवण यंत्र जैसी आवश्यक सामग्रियां भी वितरित की गईं। इस आयोजन में सेवाओं तक निर्बाध पहुंच की सुविधा के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) सहित एक चिकित्सा शिविर और सहायता डेस्क भी शामिल थे। रैली का समापन सामुदायिक दोपहर के भोजन के साथ हुआ, जिसमें पूर्व सैनिकों ने असम राइफल्स के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के आयोजन और उनके कल्याण के प्रति समर्पण की पुष्टि की। असम राइफल्स अपने पूर्व सैनिकों के बलिदान को सम्मानित करने और उनकी भलाई सुनिश्चित करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है।

उत्तराखंड में मौसम ने बदली करवट, लोगों को कराया ठंड का अहसास

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड में शनिवार से से मौसम करवट बदली।

मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के पर्वतीय जिलों के ऊंचाई वाले क्षेत्रों मे हल्की बारिश के आसार जताए गए। वहीं मौसम विभाग ने 19 और 20 फरवरी तक मौसम में बदलाव के संकेत दिए हैं। जबकि 16 से 18 फरवरी तक मौसम साफ रहने से तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

मौसम वैज्ञानिक रोहित थपलियाल के मुताबिक पहाड़ी जिलों के 32 सौ मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी का भी अनुमान है। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी यानि आज मैदानी जिलों के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश हो सकती है। आज उत्तराखंड का मौसम बदलने से प्रदेश भर में बारिश की लाइट एक्टिविटी के आसार बने हुए हैं। रोहित थपलियाल ने बताया कि 16 फरवरी को उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली पिथौरागढ़ जिलों में हल्की बर्फबारी और बारिश की संभावनाएं हैं। इसके अलावा 19 और 20 फरवरी को पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की वजह से उत्तराखंड का मौसम बदल सकता है।19 फरवरी की रात से बारिश की एक्टिविटी देखने को मिल सकती है। इसके अलावा 20 फरवरी को वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण पर्वतीय जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी का दौर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार आज उत्तराखंड के अधिकांश क्षेत्रों में बादल छाए रहने से तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है. जबकि 16, 17, 18 फरवरी को मौसम साफ रहने के कारण तापमान बढ़ सकता है। बता दें कि उत्तराखंड में मौसम विभाग ने आज कई जिलों में बारिश की संभावना जताई है। जबकि प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहने का पूर्वानुमान जताया है।

सतपाल महाराज ने दी मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री को राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं!

देहरादून (संवाददाता)। पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, जलागम एवं ग्रामीण निर्माण, मंत्री सतपाल महाराज ने प्रदेश में 38वें राष्ट्रीय खेलों के शांतिपूर्ण एवं सफलता पूर्वक आयोजित होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं खेल मंत्री श्रीमती रेखा आर्य को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेलों के समापन पर गृहमंत्री अमित शाह का मार्गदर्शन मिलना देश एवं प्रदेश के खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए मिल का पत्थर साबित होगा।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तराखंड राज्य को 38 वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी का सुअवसर देने और और उसका शुभारंभ करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करने के साथ-साथ राष्ट्रीय खेलों के समापन अवसर पर देश के केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के शामिल होने पर उनका आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि हमें खुशी है कि उत्तराखंड के खिलाड़ियों के अलावा देश के अन्य राज्यों के खिलाड़ियों ने भी राष्ट्रीय खेलों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। महाराज ने कहा कि हमारी सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। खिलाडियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में कई प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं। आने वाले समय में टिहरी झील में भी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं कराया जाना प्रस्ताव है। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों के सफल, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित आयोजन में लगे सभी विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रतिभागी खिलाड़ियों का भी आभार जताया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने सहकारिता चुनाव प्रक्रिया पर प्रश्न चिन्ह खड़ा किया

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने प्रदेश में चल रहे सहकारिता चुनावों की चुनाव प्रक्रिया पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करते हुए विभाग पर सत्ता पक्ष के दबाव में मनमानी प्रक्रिया अपनाने का आरोप लगाया है। निर्वाचन प्राधिकरण को लिखे पत्र में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि सहकारिता चुनावों की पूरी प्रक्रिया संदेह के घेरे में आ गई है। उन्होंने कहाि क निर्वाचन प्राधिकरण देहरादून के कार्यालय आदेश पत्रांक 497-507/सव निव प्राव/सह0 नि0 अधि0/2024-2025, दिनांक 25 जनवरी, 2025 एवं कार्यालय संख्या 520-25 दिनांक 25 जनवरी 2025 के द्वारा घोषित प्रदेश की बहुउद्देशीय प्रारंभिक कृषि ऋण सहकारी समितियों की प्रबंध कमेटी के सदस्यों के निर्वाचन दिनांक 24.02.2025 एवं अध्यक्ष व अन्य संस्थाओं के चुनाव होने थे जिसमें दिनांक 15.02.25 को 3 बजे तक नामांकन पत्रों की बिक्री होनी थी। जोकि संचालन समिति में रहते हैं लेकिन नामांकन पत्रों के बिक्री के दिन मतदाता सूची में परिवर्तन कर अधिसूचना होने के 45 दिन पहले और 3 साल पूर्व के बाद जो कि 2021 के बाद जिन्होंने समिति में लेन-देन किया है वही सफल मतदाता/सदस्य होगे।

स्मार्ट मीटर से खत्म होंगी बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतें: प्रमुख सचिव

देहरादून (संवाददाता)। प्रमुख सचिव ऊर्जा डॉ आर मीनाक्षी सुंदरम ने कहा है कि, स्मार्ट मीटर लगने से बिजली उपभोक्ताओं की रीडिंग या बिलिंग संबंधित शिकायतों में अप्रत्याशित तरीके से कमी आएगी। साथ ही वर्तमान में स्मार्ट मीटर बिना शुल्क के बदले जाएंगे। शनिवार को मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता में डॉ आर मीनाक्षी सुंदरम ने कहा कि स्मार्ट मीटर अत्याधुनिक बिजली मीटर है जिसका कन्ट्रोल उपभोक्ता के हाथ में रहता है। इससे आपको पल पल बिजली उपयोग की जानकारी, सभी जरूरी सूचनाएं, बिजली उपयोग की तुलना, भुगतान के कई विकल्प मिल जाते हैं। उन्होंने बताया कि यह एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जो भारत सरकार के सहयोग से भी सभी राज्यों में चलाया जा रहा है। प्रमुख सचिव ऊर्जा ने कहा कि अभी यूपीसीएल के उपभोक्ता शिकायत निवारण केंद्र के साथ ही सीएम हेल्पलाइन और विभागीय शिविरों में सबसे अधिक शिकायतों बिलिंग और रीडिंग को लेकर आती हैं। अब स्मार्ट मीटर लगने के बाद मीटर रीडिंग में मानवीय हस्तक्षेप समाप्त हो जाएगा, इससे बिलिंग सम्बन्धी शिकायतों में अप्रत्याशित कमी आएगी।

उपभोक्ता को खपत का विवरण मोबाइल एप पर उपलब्ध, होगा जिससे वो अपनी बिजली खपत को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकेंगे। साथ ही विद्युत फाल्ट व सप्लाई बाधित होने की सूचना भी तुरंत विभाग तक पहुंच जाएगी। उन्होंने बताया कि रूफ टॉप सोलर लगाने पर यही मीटर नेट मीटर की तरह कार्य करेगा। प्रमुख सचिव ऊर्जा ने बताया कि पुराने मीटर को स्मार्ट मीटर से बदलने पर कोई इंस्टॉलेशन शुल्क नहीं लिया जायेगा। वर्तमान में भारत सरकार के निर्देश पर पोस्ट पेड मीटर ही लगाए जा रहे हैं। फिर भी कोई उपभोक्ता स्वेच्छा से प्रीपेड मीटर की सेवाएं लेना चाहता हैं तो उन्हें घरेलू कनेक्शन पर वर्तमान में लागू विद्युत दरों पर 4 प्रतिशत तथा अन्य श्रेणी के उपभोक्ताओं को 3 प्रतिशत की छूट मिलेगी। उन्होंने बताया की मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभाग मंत्रीगणों, विधायकों और अधिकारियों के आवासों पर स्मार्ट मीटर लगाने का अभियान शुरू करेगा। घर बैठे मीटर को मोबाइल ग्प या ऑनलाइन रिचार्ज करने पर बिजली बिल पर लगने वाले ब्याज या लेट फीस से छुटकारा। प्रमुख सचिव ऊर्जा ने कहा कि छुट्टियों के दिनों में या रात में बैलेंस खत्म होने के बाद भी बिना रूकावट बिजली की उपलब्धता बनी रहेगी। उन्होने बताया कि योजना के तहत जून 2026 तक 15.88 लाख उपभोक्ताओं सहित 59212 ट्रांसफार्मर और 2602 फीडर के मीटर बदले जाने हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम...आप की हार, भाजपा की सरकार

सुरेश हिंदुस्तानी

कहा जाता है कि जिसको जल्दी सफलता मिलती है, वह उस सफलता को यथावत नहीं रख सकता। जिसको संघर्ष के बाद सफलता मिलती है, वह स्थायित्व को प्राप्त कर सकती है, क्योंकि संघर्ष करने से अनुभव आता है। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को ऐसी ही सफलता मिली, जिसे संभालने का राजनीतिक अनुभव उनके पास नहीं था। लोक लुभावन वादे एक निश्चित अवधि तक ही सुख का अनुभव करा सकते हैं, वह लम्बे समय तक सफलता का आधार नहीं बन सकता। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में लगभग यही दिखाई दिया। केजरीवाल को बिना लम्बे परिश्रम के सत्ता मिल गई, जिसे वे स्थायित्व नहीं दे सके। वे खुद भी चुनाव हार गए और उनके बाद आम आदमी पार्टी में दूसरे नंबर पर आने वाले नेता मनीष सिसोदिया को भी पराजय का सामना करना पड़ा।

दिल्ली राज्य में विधानसभा की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है। इसमें अब तक अपने आपको अपराजेय मान रही आम आदमी पार्टी को बहुत बड़ी निराशा हाथ लगी है। भारतीय जनता पार्टी ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने के साथ ही सरकार बनने का रास्ता साफ कर दिया है। चुनाव परिणाम के बारे में अध्ययन किया जाए तो यह ध्यान में आता है कि आम आदमी पार्टी का सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस ने किया है। इससे विपक्ष का वोट विभाजित हो गया। इसका आशय यह भी है कि पिछले चुनाव में आम आदमी पार्टी को जो आशातीत समर्थन मिला, वह समर्थन केवल आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं के प्रति पूरा समर्थन नहीं था। कहा जाता है कि पिछले चुनाव में अगर कांग्रेस का अंदरूनी समर्थन नहीं होता तो आम आदमी पार्टी राजनीतिक आकाश में चमक नहीं बिखेर सकती थी। इस पर एक बात कहना बहुत ही आवश्यक है कि जो दूसरों की शक्ति से चमकते हैं, उनकी चमक लम्बे समय तक नहीं रहती। केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की चमक ऐसी ही थी। जहां तक पंजाब में सरकार बनाने की बात है तो यही कहना समुचित होगा कि वहां चुनाव के समय दिल्ली की योजनाओं को प्रचारित किया गया, जिसका राजनीतिक लाभ आम आदमी पार्टी को मिला। दिल्ली के विधानसभा चुनाव परिणाम का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि इस बार अरविन्द केजरीवाल ने कांग्रेस को आईना दिखाने के प्रयास में अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम किया है। अगर अरविन्द केजरीवाल कांग्रेस की बात मानकर गठबंधन कर लेते तो चुनाव परिणाम की तस्वीर कुछ और ही होती, लेकिन अरविन्द केजरीवाल का अहंकार ही उनको ले डूबा। हम जानते हैं कि एक बार आम आदमी पार्टी के नेता अरविन्द केजरीवाल ने सार्वजनिक तौर पर कहा था कि "मोदी जी दिल्ली में आम आदमी पार्टी को इस जन्म में तो आप हरा नहीं सकते"। ऐसी भाषा को सुनकर यही लगता है कि केजरीवाल को अहंकार हो गया था। दूसरी बड़ी बात यह है कि उन पर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप लगे थे, इन सब आरोपों पर उन्होंने हमेशा भाजपा पर निशाना साधने का काम किया। जबकि यह सारा काम जांच एजेंसियों और सर्वोच्च न्यायालय ने किया। अरविन्द केजरीवाल को जेल भेजने का निर्णय सर्वोच्च न्यायालय का था, लेकिन उनका आरोप भाजपा पर था। दिल्ली की जनता ने केजरीवाल की इस बात को झूंठ ही माना। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल इस तथ्य को भूल गए कि भारतीय जनता पार्टी का भी दिल्ली में व्यापक राजनीतिक प्रभाव है। लोकसभा के चुनाव में भाजपा को दिल्ली की सभी सीट प्राप्त होना, इसको प्रमाणित भी करता है। विधानसभा में भाजपा को भले ही कम सफलता मिली हो, लेकिन इससे भाजपा के राजनीतिक प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता। बड़ी बात यह भी है कि भाजपा ने भी इस चुनाव को आम आदमी पार्टी की तर्ज पर ही लड़ा। भाजपा ने लोहे को लोहे से काटने की रणनीति पर काम किया, जिसमें भाजपा ने बाजी मार ली। दिल्ली के चुनाव में इस बार जिस प्रकार से आधुनिक संचार तकनीक का प्रयोग किया गया, उसने भी केजरीवाल की कथनी और करनी की भिन्नता को ही उजागर किया। केजरीवाल एक बात पर टिके दिखाई नहीं दिए। वे कभी कुछ तो कभी उसके विपरीत दिखाई दिए। यमुना साफ करने के नाम पर बार बार वादे करना आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल के लिए भारी पड़ गया। यह बात सही है कि वादे करना सरल है, उनको पूरा करना उतना ही कठिन है। केजरीवाल जो वादे कर रहे थे, वे वही वादे थे, जो उन्होंने दस वर्ष पूर्व किए थे। उनमें से कई बड़े वादे अब तक पूरे नहीं किए जा सके। सबसे बड़ा वादा यमुना साफ करने का ही था। इसके अलावा भ्रष्टाचार समाप्त करने के नाम पर गठित आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल खुद ही भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की हवा खा चुके थे।

हद तो तब हो गई, ज़ब वे अपनी सरकार को जेल से ही चलाने लगे। उधर उनको ज़मानत मिलने पर सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट निर्देश दिया कि केजरीवाल न तो मुख्यमंत्री कार्यालय में जा सकते हैं और न ही किसी फ़ाइल पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। केजरीवाल अभी भी आरोपी हैं, इसलिए उनका मुख्यमंत्री बनना असंभव ही था, क्योंकि अगर वे चुनाव जीतते तो बिना काम के मुख्यमंत्री ही रहते। ये सब भ्रष्टाचार के आरोप के कारण ही हुआ। वहीं दूसरी तरफ केजरीवाल के राजनीतिक गुरु के रूप प्रचारित समाजसेवी अण्णा हजारे इस चुनाव में केजरीवाल से रूठे से दिखाई दिए। इसको केजरीवाल के विरोधियों ने एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया, जो सही निशाने पर जाकर लगा है। दिल्ली चुनाव के बारे में मतदान के बाद किए गए सर्वेक्षण परिणाम को पुष्ट करते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि सर्वेक्षण कई बार गलत भी साबित हुए हैं, लेकिन इस बार का सर्वेक्षण सटीक होकर वही तस्वीर दिखा रहे हैं, जो उन्होंने देखा। इससे ऐसा लगता है कि अरविन्द केजरीवाल की आम आदमी पार्टी अपना स्वयं का परीक्षण करने में चूक गए। उनको लगता ही नहीं था कि उनकी पार्टी सत्ता से बाहर भी हो सकती है। आम आदमी पार्टी के सत्ता से बाहर होने के बारे में यह भी कहा जा रहा आम आदमी पार्टी को दूसरों ने कम उनके अपनों ने ही पराजित किया है। आम आदमी पार्टी के कई बड़े नेता इस बात से नाराज थे कि आतिशी मार्लेना को मुख्यमंत्री क्यों बनाया। जबकि आम आदमी पार्टी में इस पद के लिए कई दावेदार थे। अत: यह स्वाभाविक थी जो नेता राजनीतिक आकांक्षा को लेकर कार्य कर रहे थे, उनके सपनों पर पानी फिर गया। कहा यह भी जा रहा है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद आतिशी खुद नहीं चाहती थी कि अरविन्द केजरीवाल जीत कर आएं, क्योंकि वे जीतते तो आतिशी को मुख्यमंत्री का पद छोड़ना पड़ता। इसलिए यह कहना उचित होगा कि आम आदमी पार्टी की पराजय में उनके अपनों का ही योगदान है। रही सही कसर कांग्रेस ने पूरी करदी। कहा यह भी जा रहा है कि इंडी गठबंधन का बिखराव भी आम आदमी पार्टी की पराजय का कारण बना। अभी तक राजनीतिक शून्यता का टैग लगा चुकी कांग्रेस पार्टी ने इस चुनाव को बहुत गंभीरता से लिया।

कांग्रेस ने हालांकि उन्हीं क्षेत्रों में बहुत परिश्रम किया, जहां उनका व्यापक प्रभाव था। लगभग बीस सीटों पर किए गए इस प्रयास के कारण भले ही कांग्रेस अपेक्षित सफलता के द्वार तक नहीं पहुंची, लेकिन कांग्रेस के इसी प्रयास ने आम आदमी पार्टी के लिए सत्ता के मार्ग का दरवाजा बंद करने में प्रमुख भूमिका निभाई। पिछले लोकसभा चुनाव में साथ जीने मरने की कसम खाने वाले भाजपा विरोधी राजनीतिक दल एक मंच पर आकर मिलकर चुनाव लड़ने की बात कर रहे थे, लोकसभा चुनाव में कहीं कहीं ऐसा दिखा भी, लेकिन दिल्ली के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल खुद ही अकेले मैदान में कूद गए। कांग्रेस भी मैदान में आ गई और विपक्ष का वोट, जो अब तक केजरीवाल को ही मिलता था, वह नहीं मिल सका। इसलिए कहा जा सकता है कि कांग्रेस ने भी आम आदमी पार्टी को हराने का काम किया।

ममता कुलकर्णी की नई शुरुआत

अमरपाल सिंह वर्मा

कई लोग सफलता और भौतिक सुख को ही जीवन का अंतिम लक्ष्य मान लेते हैं, लेकिन जिंदगी कब-कहां लेकर चली जाए, कौन जानता है। चर्चित हीरोइन का किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बन जाना बहुत कुछ सोचने को मजबूर करता है।

ममता कुलकर्णी लंबे समय तक ग्लैमर की जिस दुनिया में रहीं, वह दुनिया जितनी आकषर्क दिखती है, उतनी ही मुश्किल भी है। ममता का जीवन भी इससे अछूता नहीं रहा। जैसे-जैसे उनकी लोकप्रियता बढ़ी, वैसे-वैसे विवाद भी उनके जीवन का हिस्सा बनते गए लेकिन ग्लैमर और ऐर्य से भरी जिंदगी को छोड़ कर वैराग्य के जिस सफर पर वह चल पड़ी हैं, यह कोई सहज मोड़ नहीं है। किसी भी व्यक्ति के लिए वैराग्य का मार्ग अपनाना बहुत कठिन होता है। लेकिन ममता ने यह कदम उठाया है और अध्यात्म के जरिए आत्मिक शांति की खोज शुरू की है तो इसके कुछ निहितार्थ तो होंगे ही।

मायानगरी मुंबई में पहचान बनाना लाखों युवाओं का सपना होता है। हर युवा बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया में प्रवेश करना और उसमें अपनी पहचान बनाना चाहता है। ममता का भी यह सपना था, जिसे उन्होंने साकार किया। नब्बे के दशक में ममता कुलकर्णी चर्चित अभिनेत्रियों में से एक रहीं। बॉलीवुड में उन्होंने %वक्त हमारा है',%चाइना गेट', %सबसे बड़ा खिलाड़ी', %क्रांतिवीर', %बाजी', %करण-अर्जुन' जैसी तमाम फिल्मों से अलग पहचान बनाई लेकिन ग्लैमर और सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद उन्होंने जिस तरह अपनी जिंदगी की दिशा बदली है, वह उनके जीवन में आए उतार-चढ़ावों को दर्शाने के लिए काफी है।

एक ओर जहां उनके ग्लैमरस फोटोशूट और बोल्ड व्यक्तित्व ने उन्हें मीडिया की सुर्खियों में बनाए रखा, वहीं उनका नाम कई विवादों से भी जुड़ा। इसके उपरांत धीरे-धीरे वह फिल्मी दुनिया से दूर होती चली गई। फिल्म संसार से गायब होने के बाद ममता ने अध्यात्म की राह चुनी। खुद को मीडिया और सार्वजनिक जीवन से दूर ले गई। धीरे-धीरे उनका जुड़ाव आध्यात्मिकता की ओर बढ़ता गया। ममता की 2013 में आई किताब %ऑटोबायोग्राफी ऑफ एन योगिनी' भी इस तरफ इशारा कर रही थी। ममता ने एक दशक पहले कहा था कि कुछ लोग दुनिया के कामों के लिए पैदा होते हैं जबकि कुछ ईर के लिए पैदा होते हैं। मैं भी ईर के लिए पैदा हुई हूं। ममता ने फिल्मी दुनिया से दूर होकर अध्यात्म का रास्ता अपना लिया है। महाकुंभ के दौरान उन्हें किन्नर अखाड़े ने महामंडलेर की उपाधि दे दी है। वैराग्य धारण करने के बाद ममता को नया नाम ममतानंद गिरि भी मिल गया है। जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव देखने के बाद ममता शायद यह सोच कर संन्यासिन बनी हैं कि सच्ची खुशी और शांति बाहरी दुनिया में नहीं, बल्कि आत्मा की गहराइयों में होती है।

ग्लैमरस हीरोइन से महामंडलेर तक की उनकी यात्रा से यह संदेश तो मिलता ही है कि जिंदगी में कभी भी नई शुरुआत की जा सकती है। ममता ने विवादों और संघर्ष से घिरने के बावजूद अपनी राह चुन ली है। यह सफर भले ही ममता का है पर यह हमें भी यह सोचने पर मजबूर करता है कि जीवन का असली उद्देश्य क्या है, और हम उसे पाने के लिए क्या कदम उठा सकते हैं? आज से पहले ममता की कहानी सिर्फ बॉलीवुड से जुड़ी हुई थी, अब यह कहानी हर उस व्यक्ति के लिए है, जो जीवन में बदलाव और आत्म-साक्षात्कार की तलाश करना चाहता है।

उत्तराखण्ड शासन
देवभूमि रजत उत्सव
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
MINISTRY OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS
सत्यमेव जयते
UTTARAKHAND
INDIA
38वें राष्ट्रीय खेल
उत्तराखंड 25
रजत जयंती वर्ष
28 जनवरी - 14 फरवरी 2025
संकल्प से शिखर तक
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है, जिस प्रकार जी20 का सफल आयोजन प्रदेश ने किया था, उसी प्रकार 38वें राष्ट्रीय खेलों का सफल आयोजन देवभूमि उत्तराखण्ड में हुआ।
पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हरसंभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक है।
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
मा. प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
के मार्गदर्शन में
38वें राष्ट्रीय खेलों का हुआ
सफल आयोजन
देवभूमि बनी ख़ेलभूमि
• देहरादून, ऋषिकेश, टिहरी, ऊधमसिंह नगर, हल्द्वानी, हरिद्वार, नई टिहरी, नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और चंपावत में राष्ट्रीय खेलों का हुआ सफल आयोजन
• देश भर के लगभग 10,000 खिलाडियों ने किया प्रतिभाग
• 35 खेलों में हुई प्रतियोगिताएं
• उत्तराखण्ड को मिले ऐतिहासिक अवसर की देवभूमि ने की सफल मेजबानी
• युवाओं को प्रेरित करने के लिए खेल संस्कृति को बढ़ावा
• उत्तराखण्ड के खेल परिदृश्य के लिए ऐतिहासिक मील का पत्थर
अधिक जानकारी के लिए लॉगइन करें
www.38nguk.in
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।
www.uttarainformation.gov.in | uttarakhandDIPR | DIPR_UK | uttarakhand DIPR

बॉक्स ऑफिस पर स्काई फोर्स का शानदार प्रदर्शन जारी

साल 2024 में अक्षय कुमार की 'बड़े मियां छोटे मियां' से लेकर 'सिरफिरा' और 'खेल खेल में' जैसी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी थी. वहीं साल 2025 के पहले महीने में यानी 24 जनवरी, 2025 को खिलाड़ी कुमार की देशभक्ति से भरी फिल्म 'स्काई फोर्स' ने सिनेमाघरों में दस्तक दी थी. अक्षय की पिछली फिल्मों के मुकाबले 'स्काई फोर्स' की दमदार शुरुआत हुई और इसने पहले हफ्ते में भी अच्छी कमाई की. हालांकि एक्शन ड्रामा के कलेक्शन में दूसरे हफ्ते में काफी गिरावट देखी जा रही है. चलिए यहां जानते हैं 'स्काई फोर्स' ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है?

गणतंत्र दिवस 2025 रिलीज़ स्काई फोर्स' में अक्षय कुमार, वीर पहाडिया, सारा अली खान और निमरत कौर ने अहम रोल प्ले किया है. इस एक्शन ड्रामा को ऑन-ग्राउंड काफी पसंद किया गया है और इसी के साथ इसने अच्छी खासी कमाई भी कर ली है. इसी के साथ एक अर्से बाद अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई है. वहीं 'स्काई फोर्स' को बॉक्स ऑफिस पर शाहिद कपूर की देवा से भी टक्कर मिल रही है लेकिन अक्षय कुमार स्टारर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है इन सबके बीच मेकर्स ने 'स्काई फोर्स' की कमाई के आंकड़े शेयर किए हैं जिनके मुताबिक अक्षय कुमार स्टारर फिल्म ने 15.3 करोड़ से शुरुआत की थी. फिर 'स्काई फोर्स' ने पहले हफ्ते में 99.7 करोड़ रुपये का कारोबार किया.

8वें दिन फिल्म की कमाई 4.6 करोड़ रुपये हुई. 9वें दिन फिल्म ने 7.4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. 10वे दिन फिल्म का कारोबार 7.8 करोड़ रुपये रहा. इसी के साथ 'स्काई फोर्स' ने रिलीज के 10 दिनों में भारत में 119.5 करोड़ का नेट कलेक्शन किया और 141 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया. वहीं सैकनिल्क के मुताबिक 'स्काई फोर्स' ने रिलीज के 11वें दिन 1.6 करोड़ की कमाई की थी 12वें दिन फिल्म ने 1.35 करोड़ की कमाई की है. अब फिल्म की रिलीज के 13वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'स्काई फोर्स' ने रिलीज के 13वें दिन भारत में 1.60 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ 'स्काई फोर्स' की 13 दिनों की कुल कमाई अब 124.05 करोड़ रुपये हो गई है. 'स्काई फोर्स' 160 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म बताई जा रही है. इसने रिलीज के 13 दिनों में 124 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर लिया है. हालांकि फिल्म की कमाई की रफ्तार भी अब हर दिन घट रही है ऐसे में 'स्काई फोर्स' के लिए बजट वसूल करना अभी आसान नहीं लग रहा है. हालांकि अगर तीसरे वीकेंड पर फिल्म की कमाई में तेजी आती है तो ये अपने बजट वसूलने के बेहद करीब पहुंच जाएगी. फिलहाल हर किसी की निगाहें बॉक्स ऑफिस पर टिकी हुई हैं.

छावा का दिल दहला देने वाला नया पोस्टर जारी

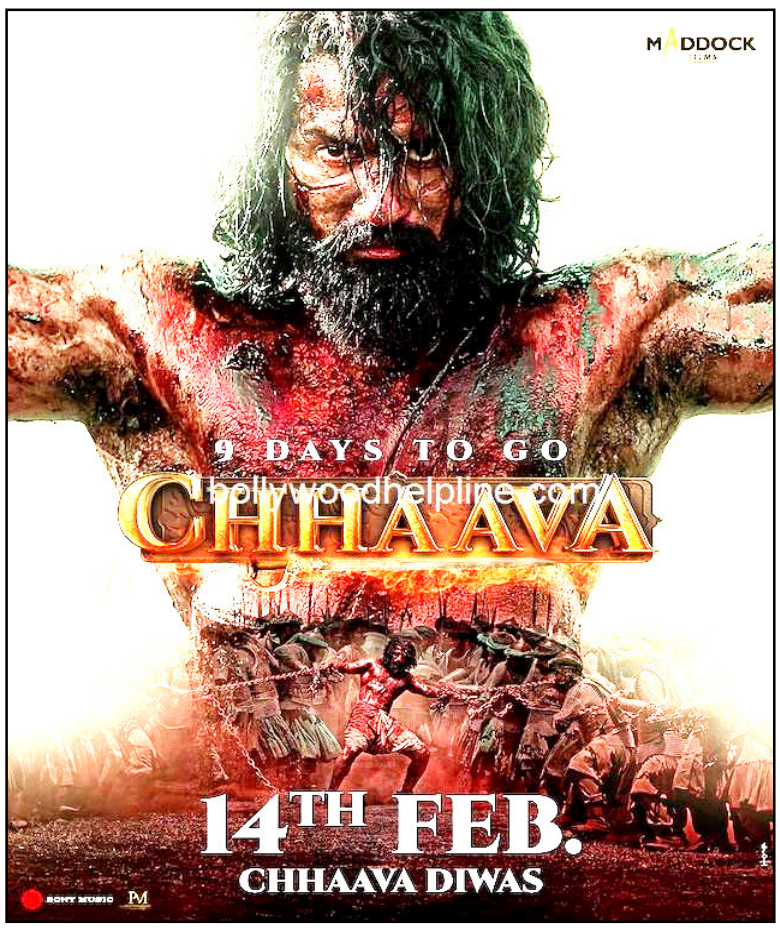

विक्की कौशल इन दिनों छावा फिल्म को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म के जरिए वे रश्मिका मंदाना के साथ पहली बार साथ काम करते नजर आएंगे। फिल्म में विक्की छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाएंगे, जबकि रश्मिका मंदाना येसूबाई भोसले की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। वहीं अब विक्की कौशल ने अपना नया लुक जारी किया है, जिसे देख फैंस भी हैरान रह गए।

सिनेमाघरों में फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेता ने फिल्म से अपना एक नया इंटेंस पोस्टर शेयर किया है। छावा ने विक्की और रश्मिका के प्रशंसकों के बीच काफी चर्चा बटोरी है और इस नए पोस्टर ने उनकी उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। नए पोस्टर में विक्की का दिल दहला देने वाला लुक देखने को मिला, जिसमें अभिनेता पूरी तरह से खून से लथपथ हैं और उनकी शरीर पर अनगिनत चोटों के निशान भी हैं। वहीं, पोस्टर में विक्की को रस्सी से बांधे हुए सैकड़ों सैनिक पीछे की ओर घसीटते नजर आ रहे हैं।

विक्की ने पोस्टर को कैप्शन के साथ साझा किया। उन्होंने लिखा, मिलते हैं छावा दिवस पर। विक्की ने 14 फरवरी को छावा दिवस करार दिया है। फिल्म का ट्रेलर पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसने फैंस के बीच फिल्म की रिलीज को लेकर उत्सुकता को बढ़ा दिया। ट्रेलर में मराठों और मुगलों के बीच युद्ध के दृश्य दिखाए गए। वहीं, इससे पहले फिल्म का पहला गाना जाने तू रिलीज हुआ।

इससे पहले फिल्म के गाने के दृश्य को लेकर ही विवाद शुरू हुआ। दरअसल, हाल ही में फिल्म एक ऐसे दृश्य के कारण विवादों में घिर गई थी, जिसमें मराठा सम्राट छत्रपति संभाजी महाराज को नाचते हुए दिखाया गया था। इस आपत्तिजनक दृश्य के कारण इतिहासकारों और विभिन्न संगठनों ने आपत्ति जताई। कई लोगों ने तो इस ऐतिहासिक ड्रामा पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की। हालांकि निर्माताओं ने उस दृश्य को हटाने का फैसला किया।

मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित, छावा में रश्मिका मंदाना, अक्षय खन्ना, आशुतोष राणा, दिव्या दत्ता और नील भूपालम भी हैं। फिल्म में आशुतोष राणा सरसेनापती हंबीरराव मोहिते की भूमिका में नजर आएंगे। अक्षय खन्ना औरंगजेब का किरदार निभाएंगे, जबकि दिव्या सोयराबाई की भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रिवीलिंग साड़ी पहन साक्षी मलिक ने कैमरे के सामने दिए सिजलिंग पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस साक्षी मलिक आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड और किलर अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। भले ही एक्ट्रेस इन दिनों किसी भी फिल्म में नजर नहीं आ रही हैं, लेकिन वो आए दिन अपने लुक्स से फैंस को अपना दीवाना बनाती रहती हैं।

एक्ट्रेस साक्षी मलिक सोशल मीडिया सेंसेशन हैं और वो आए दिन अपने नए-नए लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर अपनी हॉटनेस से इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं, जिसमें उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर स अपने होश खो बैठे हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने बेहद खूबसूरत साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

खुले बाल, लाइट मेकअप और कानों में इयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। उनका ये स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही छा गया है।

साक्षी मलिक की इन तस्वीरों को पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक कई यूजर्स ने लाइक्स और कॉमेंट्स कर दिए हैं। एक यूजर ने लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- ग्लैमरस।

विटामिन व पोषक तत्वों का भंडार हैं प्याज के छिलके, इस्तेमाल से होते हैं हैरान करने वाले फायदे

अक्सर आप सब्जियों के तना और छिलकों को कचरा समझकर फेंक देते होंगे लेकिन ऐसा करना आपकी सबसे बड़ी भूल है। सब्जियों के सभी भाग में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व उपस्थित होते हैं। यहां तक कि प्याज के छिलकों में भी। प्याज के छिलकों में विटामिन ए, सी, ई और कई तरह एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। प्याज के छिलकों में मुख्य रूप से फ्लेवोनोइड, एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाएं जाते हैं। ऐसे में हम आपको बता रहें हैं इसके इसे हेल्थ संबंधित फायदे और इस्तेमाल करने का तरीका जिसके बाद आप दुबारा फेंकने की भूल नहीं करेंगे।

मांसपेशियों के दर्द में फायदेमंद

प्याज के छिलको में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट गुण मसल क्रैंप्स या मांसपेशियों में दर्द को कम करने का काम करता है। ऐसे में आप प्याज के छिलके को 10-20 मिनट के लिए पानी में उबालें। फिर इसे छान लें और सोने से पहले इसे चाय की तरह पिएं।

त्वचा में खुजली से राहत

प्याज में छिलकों में एंटी-फंगल गुण होते हैं। जो उन्हें एथलीट फुट समेत त्वचा की समस्याओं जैसे-खुजली से राहत दिलाने में प्रभावी काम करते हैं। राहत के लिए अपनी त्वचा पर छिलकों को पानी में उबाल कर लगा सकते हैं।

सूजन और कैंसर से बचाव

एक शोध में सामने आया है कि प्याज के छिलकों में प्रचूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है। इसके साथ ही इसमें मौजूद फ्लेवोनोइड्स, क्वेरसेटिन और फीनोलिक शरीर में सूजन, कैंसर जैसी समस्याओं से बचाव में काफी कारगर साबित होते हैं।

गले की समस्याओं में राहत

प्याज के छिलकों को पानी में डालकर गरारा किया जाए या फिर चाय में उबालकर पिया जाए तो इससे गले की खराश व अन्य समस्याओं से राहत मिलती है। सर्दी-जुकाम में गले में दर्द रहता है। प्याज के छिलकों को पानी के साथ उबालकर उससे गरारा करने से तुरंत फायदा मिलता है।

अनिद्रा की समस्या में फायदेमंद

प्याज के छिलके अनिद्रा में प्राकृतिक प्रेरक का काम करती है। यदि आपको नींद नहीं आती है या बार-बार टूट जाती है तो इनके छिलकों से तैयार चाय आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

हार्ट की समस्या

प्याज के छिलकों को पानी में डालें और उसे अच्छी तरह से उबाल ले इसके बाद इसको छानकर गर्म-गर्मी पिएं। ऐसा करने से आपकी हार्ट की समस्या दूर होती है।

आंखों की रोशनी बढ़ाने में उपयोगी

प्याज के छिलकों में भरपूर मात्रा में विटामिन सी व ए पाया जाता है। और यह दोनो ही विटामिन आंखों के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी होते हैं। आंखों को हेल्दी रखने के लिए आप इससे तैयार चाय का सेवन कर सकत हैं।

त्वचा के लिए

दमकती त्वचा पाने के लिए प्याज के छिलकों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए प्याज के रस को हल्दी में मिक्स करें और चेहरे पर लगाएं। ऐसा करने से चेहरे के दाग-धब्बों दूर होते हैं। प्याज के छिलकों का रस डेड स्किन को बाहर निकलाने में मददगार माना जाता है। इससे न सिर्फ स्कीन साफ होगी बल्कि त्वचा भी चमकदार बनेगा।

कैसे बनाएं प्याज के छिलकों की चाय?

सामग्री

3 से 4 मीडियम आकार के प्याज के छिलके

2 कप पानी

1 चम्मच शहद

कैसे करें तैयार

- प्याज के छिलकों से चाय बनाने के लिए छिलकों को पानी में अच्छी तरह से साफ कर लें।
- अब पानी में इसे उबाल लें।
- इसे तब तक आंच पर चढ़ा रहने दें जब तक पानी का रंग न बदलने लगे।
- फिर इसे कप में छानकर स्वादानुसार शहद मिलाकर पी जाएं।

चेहरे पर नहीं होगा फुंसी-पिंपल्स, खाएं ये 4 चीजें

बारिश से मौसम में घुली ठंडक कई तरह के पकवान खाने की चाह मन में जगा देती है। हालांकि, हर सीजन अपने साथ कुछ ऐसे बदलाव लाता है, जिसके अनुसार कइयों का शरीर ढल नहीं पाता। इससे होता ये है कि ये चीजें बॉडी पर रिएक्ट कर जाती हैं और अक्सर स्किन प्रॉब्लम्स के रूप में सामने आती हैं। अगर आप अपनी स्किन पर फुंसी और उससे होने वाले दाग नहीं चाहतीं, तो बेहतर है कि मॉनसून में कुछ चीजों को खाना अवॉइड ही करें। ये कौन सी चीजें हैं? चलिए जानते हैं।

दूध और उससे बनने वाले फूड

दूध पीना ठीक है, लेकिन इसका ज्यादा सेवन हॉर्मोन्स पर असर डाल सकता है। खासतौर से बारिश के मौसम में, जब ठंडक के कारण पाचन वैसे ही तुलनात्मक रूप से धीमा रहता है। हॉर्मोन्स बहुत जल्दी स्किन पर असर डालते हैं। ऐसे में इनके प्रभावित होने पर चेहरे पर एक्ने और पिंपल्स आने में देरी नहीं लगती है।

ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले फूड

ऐसे फूड जिनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स हाई होता है, वो स्किन इन्फ्लेमेशन का कारण बनते हुए पिंपल्स को जन्म दे सकते हैं। इससे स्किन रैशेज भी हो सकते हैं। हाई ग्लाइसेमिक फूड्स में केक,चॉकलेट, स्वीट ड्रिंक्स, आइसक्रीम, कोल्डड्रिंग, सफेद ब्रेड, आलू, सफेद चावल आदि जैसी चीजें शामिल हैं।

फ्राइड फूड

बारिश में पकौड़े जैसी चीजें खाने का मजा ही अलग है। हालांकि, ये कई स्टडीज में भी प्रूव हो चुका है कि ज्यादा तला हुआ खाना स्किन को डैमेज करते हुए पिंपल्स का कारण बन सकता है। ऐसे में बेहतर यही है कि मॉनसून में तली व ज्यादा मसाले वाले फूड आइटम्स को कम ही खाया जाए।

पालक

पालक आयरन रिच पत्तेदार सब्जी होती है। ये आंखों के लिए तो अच्छी होती है, साथ ही में इससे हीमोग्लोबिन भी बढ़ता है। हालांकि, बारिश में इसे ज्यादा खाना एक्ने की समस्या को जन्म दे सकता है। ऐसा इसमें मौजूद आयोडिन की मात्रा के कारण होता है। अगर ये सब्जी आपकी फेवरिट भी है, तो भी कंट्रोल करें तो बेहतर है।

क्या कैन वाले पेय पीना सेहत के लिए हानिकारक होते हैं?

आजकल बाजार में कई तरह के पेय पदार्थ कैन में उपलब्ध हैं। लोग इन्हें आसानी से खरीदकर पीते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इन कैन का आपकी सेहत पर क्या असर पड़ सकता है? कैन वाले पेय पीने के कुछ संभावित नुकसान हो सकते हैं, जिनके बारे में जानना जरूरी है। इस लेख में हम इन्हीं नुकसानों के बारे में चर्चा करेंगे और आपको बताएंगे कि किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि सेहत सुरक्षित रहे।

एल्यूमिनियम की समस्या

कैन आमतौर पर एल्यूमिनियम से बने होते हैं। जब आप इनसे पेय पदार्थ पीते हैं तो थोड़ी मात्रा में एल्यूमिनियम आपके शरीर में जा सकती है। यह धातु आपके मस्तिष्क और हड्डियों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। हालांकि, एक बार या कभी-कभी सेवन करने पर इसका असर कम होता है, लेकिन नियमित रूप से ऐसा करना आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। बिस्फेनॉल ए (बीपीए) की उपस्थिति

कैन के अंदर एक पतली प्लास्टिक की कोटिंग होती है, जिसमें बिस्फेनॉल ए (बीपीए) नामक रसायन होता है।

यह रसायन हार्मोनल असंतुलन पैदा कर सकता है और लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने पर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। बीपीए को लेकर कई शोध हुए हैं जो बताते हैं कि यह कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप कांच या स्टील की बोतलों का उपयोग करें।

रोजमर्रा की आदतें आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा रही हैं, जानें कैसे रखें ध्यान

हमारी रोजमर्रा की आदतें हमारे स्वास्थ्य पर गहरा असर डालती हैं। कई बार हम अनजाने में ऐसी आदतों को अपना लेते हैं, जो हमारी सेहत के लिए हानिकारक हो सकती हैं। इस लेख में हम पांच ऐसी आम आदतों के बारे में बताएंगे, जो धीरे-धीरे हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इनसे बचने के उपाय भी जानेंगे ताकि आप स्वस्थ जीवन जी सकें।

ज्यादा देर तक बैठना है खतरनाक

आजकल अधिकतर लोग ऑफिस या घर पर लंबे समय तक बैठे रहते हैं, खासकर कंप्यूटर के सामने।

यह आदत आपके शरीर के लिए हानिकारक हो सकती है क्योंकि इससे पीठ दर्द और मोटापा बढ़ सकता है।

कोशिश करें कि हर घंटे कुछ मिनट खड़े होकर चलें या स्ट्रेचिंग करें। इससे मांसपेशियों को आराम मिलेगा और रक्त संचार बेहतर होगा।

अगर आपका काम लंबे समय तक बैठने का है तो एर्गोनोमिक कुर्सी का उपयोग करें और अपनी मुद्रा सही रखें।

पर्याप्त नींद न लेना

नींद हमारे शरीर और दिमाग के लिए जरूरी है।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग नींद को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे थकान और तनाव हो सकता है।

हर दिन 7-8 घंटे की नींद लेने का प्रयास करें ताकि शरीर और दिमाग तरोताजा महसूस कर सके।

सोने से पहले मोबाइल या लैपटॉप का उपयोग न करें क्योंकि इनकी रोशनी नींद में बाधा डाल सकती है।

एक नियमित सोने का समय तय करें और उसे पालन करें।

पानी पीने में लापरवाही

पानी हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन कई लोग इसे पर्याप्त मात्रा में नहीं पीते हैं, जिससे डिहाइड्रेशन हो सकता है। दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे और त्वचा भी निखरी लगे।

अगर सादा पानी पसंद नहीं आता है तो उसमें थोड़ा नींबू या पुदीना डाल सकते हैं। हमेशा अपने पास एक पानी की बोतल रखें ताकि आपको याद रहें कि आपको पानी पीना है।

जंक फूड का अधिक सेवन

जंक फूड स्वादिष्ट होते हुए भी हमारी सेहत के लिए अच्छे नहीं होते हैं क्योंकि इनमें अधिक मात्रा में फैट्स, शक्कर और नमक होता है, जो मोटापा बढ़ाने के साथ-साथ दिल की बीमारियों का कारण बन सकता है।

कोशिश करें कि अपनी डाइट में ताजे फल-सब्जियां शामिल करें, जो पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।

राष्ट्रीय खेलों के समापन के बाद सीएम आवास पहुंचा मौली

देहरादून ,संवाददाता । 38वें राष्ट्रीय खेल में लोगों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र रहा शुभंकर 'मौली' राष्ट्रीय खेलों के समापन के बाद सीएम आवास पहुंचा। मुख्यमंत्री ने सीएम आवास में मौली का स्वागत किया। राष्ट्रीय खेलों का शुभंकर प्रतीक 'मौली' (मोनाल पक्षी) देशभर में चर्चा का केन्द्र रहा है। उत्तराखण्ड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों का शुभंकर मौली राज्य के हर जनपद में भव्य स्वागत हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेल के दौरान मौली की सक्रियता ने सबका दिल जीतने का कार्य किया। उत्तराखण्ड का राज्य पक्षी मोनाल की विशिष्टता से देशभर के लोग परिचित हुए।

38वें उत्तराखंड नेशनल गेम्स खत्म समाप्त होने के बाद अब सभी खिलाड़ी अपने-अपने राज्य लौट गए हैं. नेशनल गेम्स का आइकॉन बना मौली भी अब घूमता हुआ दिखाई नहीं देगा. उत्तराखंड के राजकीय पक्षी मोनाल के रूप में शुभंकर मौली को नेशनल गेम्स में शामिल किया गया था. आज वो सभी कलाकार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आवास पर पहुंचे, जिन्होंने शुभंकर मौली का किरदार निभाया है. इसी बीच सभी कलाकारों के साथ सीएम धामी नेशनल गेम्स के म्यूजिक पर थिरकते नजर आए. मौली ने सभी का जीता मन: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों के दौरान मौली की सक्रियता ने सबका दिल जीतने का कार्य किया है. उत्तराखंड का राज्य पक्षी मोनाल की विशिष्टता से देशभर के लोग परिचित हुए हैं. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह तक के आयोजन में मौली ने अपनी अलग छाप छोड़ी है. इतना ही नहीं शुभंकर मौली का राज्य के हर जनपद में भव्य स्वागत हुआ है. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेल ने उत्तराखंड को देवभूमि और वीरभूमि के साथ-साथ खेल भूमि के रूप में नई पहचान दिलाई है. 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 103 पदक हासिल कर देशभर में शीर्ष सात राज्यों की श्रेणी में स्थान प्राप्त किया है. 37वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड 25वें स्थान पर था. 38वें राष्ट्रीय खेल को ग्रीन गेम्स, ई-वेस्ट से बनाये गए मेडल और पदक विजेता खिलाड़ियों के नाम से पौधा रोपण के लिए भी याद किया जाएगा. अब 39वें नेशनल गेम्स मेघालय में आयोजित होगा. केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा को खेल ध्वज सौंपा था. 38वें राष्ट्रीय खेल ने उत्तराखण्ड को देवभूमि और वीरभूमि के साथ ही खेल भूमि के रूप में नई पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में खेल इन्फ्रास्टक्चर का तेजी से विकास और नई खेल नीति के परिणाम स्वरूप राज्य के खिलाड़ियों द्वारा 38वें राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन कर 103 पदक हासिल कर देशभर में शीर्ष सात राज्यों की श्रेणी में स्थान प्राप्त किया है। 37वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखण्ड 25वें स्थान पर था। उत्तराखण्ड में हुए 38वें राष्ट्रीय खेल ग्रीन गेम्स, ई-वेस्ट से बनाये गये मेडल और पदक विजेता खिलाड़ियों के नाम से पौध रोपण के लिए भी याद किया जायेगा।

असम राइफल्स ने देहरादून, उत्तराखंड में मेगा पूर्व सैनिक रैली का आयोजन किया

देहरादून ,संवाददाता । उत्तराखंड के वीर सैनिकों को हार्दिक श्रद्धांजलि देने के लिए असम राइफल्स ने मुख्यालय महानिदेशालय असम राइफल्स के तत्वावधान में जेपी प्लाजा, कारगी चौक, देहरादून में एक विशाल भूतपूर्व सैनिक रैली का आयोजन किया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य था उन लोगों की सेवा करना जिन्होंने हमारी सेवा की, जिसमें खटीमा, देवस्थल, बागेश्वर, गैरसैंण और देहरादून स्थित पांच ARESA केंद्रों से वीरता पुरस्कार विजेताओं, वीर नारियों, विधवाओं और उनके आश्रितों सहित 900 से अधिक भूतपूर्व सैनिकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्व सैनिकों के अमूल्य योगदान का सम्मान करना, उनके साथ संबंधों को मजबूत करना और उनकी समस्याओं का समाधान करना ।इस अवसर पर उत्तराखंड के माननीय राज्यपाल, लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त), पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेड़ा, एवीएसएम, एसएम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। अपने संबोधन में, माननीय राज्यपाल ने उत्तराखंड के पूर्व सैनिकों और सेवारत सैनिकों के अटूट समर्पण की सराहना की, जिन्होने देश की सुरक्षा और समृद्धि की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने असम राइफल्स द्वारा इस महत्वपूर्ण रैली का आयोजन करने की सराहना की और पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, विधवाओं तथा उनके परिवारों को समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

देहरादून में उत्तराखंड के पहले और सबसे बड़े एप्पल प्रीमियम पार्टनर स्टोर 'फ्यूचर वर्ल्ड' का भव्य उद्घाटन

देहरादून । उत्तराखंड के पहले और सबसे बड़े एप्पल प्रीमियम पार्टनर स्टोर 'फ्यूचर वर्ल्ड' का भव्य शुभारंभ मॉल ऑफ देहरादून में किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर देहरादून के मेयर सौरभ उनियाल ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन किया। यह स्टोर एप्पल के प्रशंसकों के लिए एक नई सौगात लेकर आया है, जहां वे नवीनतम एप्पल उत्पादों को एक्सप्लोर और खरीद सकते हैं। फ्यूचर वर्ल्ड स्टोर में ग्राहकों के लिए आईफोन, मैकबुक, एप्पल वॉच, एयरपोड्स और अन्य एप्पल एक्सेसरीज़ की विस्तृत रेंज उपलब्ध है। एप्पल की प्रतिष्ठित न्यूनतम डिज़ाइन फिलॉसफी को दर्शाते हुए, यह स्टोर ग्राहकों को एक प्रीमियम और इमर्सिव शॉपिंग अनुभव प्रदान करता है। साथ ही, अनुभवी स्टाफ द्वारा ग्राहकों को व्यक्तिगत सलाह और सहायता भी दी जाएगी।

फ्यूचर वर्ल्ड का उद्देश्य देहरादून के ग्राहकों को नवीनतम एप्पल तकनीक और उत्कृष्ट सेवा प्रदान करना है। यह स्टोर एप्पल उपयोगकर्ताओं के लिए एक नया और उन्नत अनुभव लेकर आया है। सभी एप्पल प्रेमियों को आमंत्रित किया जाता है कि वे ग्रैंड लॉन्च वीकेंड के दौरान फ्यूचर वर्ल्ड स्टोर का दौरा करें और प्रीमियम एप्पल अनुभव का आनंद लें। प्रशिक्षित टीम ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार सर्वोत्तम उत्पाद चुनने में मदद करने के लिए उपलब्ध रहेगी। अब फ्यूचर वर्ल्ड एप्पल प्रीमियम पार्टनर स्टोर मॉल ऑफ देहरादून में खुल चुका है, जहां एप्पल प्रेमियों को एक असाधारण शॉपिंग अनुभव प्रदान किया जाएगा।

जल्द डाइनिंग टेबल पर होगी चैंपियंस मीट

देहरादून । प्रदेश के सात जिलों और 12 शहरों में अलग-अलग इवेंट्स में चैंपियन बने उत्तराखंड के 103 सितारे जल्द ही एक महा भोज में एकजुट होंगे। खेल मंत्री रेखा आर्या के निर्देश पर खेल विभाग यह आयोजन करने जा रहा है। इसके अलावा अधिकारियों को पदक विजेताओं को मिलने वाली नगद धनराशि व अन्य सरकारी घोषणाओं को भी जल्द से जल्द अमली जामा पहनाने के निर्देश दिए गए हैं। राष्ट्रीय खेलों का आयोजन विकेंद्रित रूप में कुल 12 स्थान पर किया गया था। इन खेलों में औपचारिक रूप से कोई खेल गांव नहीं बनाया गया था यही वजह है कि अलग-अलग इवेंट में चैंपियन बने युवा अभी आपस में भी एक दूजे से परिचित नहीं हुए हैं।खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि जल्द ही सभी पदक विजेताओं के सम्मान में एक विशेष भोज खेल विभाग द्वारा आयोजित किया जाएगा। इस दौरान विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया जाएगा। खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि सरकार ने पदक विजेताओं के लिए जो भी घोषणाएं की थी उनके क्रियान्वयन में बिल्कुल देरी नहीं की जाएगी। खेल मंत्री ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों को खिलाड़ियों को मिलने वाली नगद इनाम राशि और गोल्ड मेडल विजेताओं को आउट ऑफ़ टर्न सरकारी नौकरी देने की जो घोषणा की थी, उन पर अमल करने की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी कर ली जाए।

हत्या के अभियोग में वांछित चल रहे अभियुक्त को दून पुलिस ने किया गिरफ्तार

देहरादून,संवाददाता । दिनांक 08/02/2025 को वादी रितेश गुप्ता पुत्र मिजाजीलाल गुप्ता निवासी हरिपुरकलां थाना रायवाला द्वारा थाना रायवाला पर दिनांक 07/10/2025 की रात्रि में हरिपुरकलां क्षेत्र में हुये विवाद में अभियुक्त ऋषभ धीमान, राहुल धीमान व अन्य नामजद व्यक्तियों द्वारा उनके व उनके परिजनों के उपर लाठी-डन्डो से हमला करने, जिसमें उनके परिजनों को गम्भीर चोटें आने तथा उनकी माता मीरा देवी को उपचार हेतु सरकारी अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मृत्यु होने के संबंध में दिये गये प्रा0 पत्र के आधार पर थाना रायवाला पर मु0अ0स0 25/25 धारा **103(** 2) /117(4)/191(3)/3(5) बीएनएस बनाम ऋषभ धीमान व अन्य पंजीकृत किया गया था। घटना की गंभीरता के दृष्टिगत एसएसपी देहरादून द्वारा दिये गये निर्देशों पर घटना में शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा आवश्यक साक्ष्य संकलन की कार्यवाही करते हुये घटना में शामिल 03 अभियुक्तो को दिनांक **09/02/2025 को** गिरफ्तार किया गया था, जिनसे पूछताछ में घटना में शामिल एक अन्य अभियुक्त अंकुर यादव का नाम प्रकाश में आया था। घटना में शामिल अन्य अभियुक्त घटना के बाद से ही लगातार फरार चल रहे थे, जिनकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा सुरागरसी/पतारसी करते हुये जानकारी एकत्रित की गई तथा मुखबिर की सूचना पर घटना में शामिल अभियुक्त अंकुर यादव को आज दिनांक **11/02/2025** को आईएसबीटी फ्लाई ओवर के पास से गिरफ्तार किया गया, जिसकी निशानदेही पर पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त लोहे की रॉड/पाईप को बरामद किया गया।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।
सम्पादकः अवनीश कुमार, मो० 9410553400
ई-मेलः liveskgnews@gmail.com
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)
सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।